आधार परियोजना के प्रारंभ के अवसर पर प्रधान मंत्री का भाषण

आज का दिन हम सबके लिए निश्चय ही एक खास दिन है। अभी कुछ देर पहले जो पहचान नंबर श्रीमती सोनिया गांधी जी और मैंने जारी किए हैं, वह हमारी सरकार द्वारा आम आदमी की भलाई के लिए की जा रही एक बड़ी कोशिश की शुरुआत है। भारत में रहने वाले हरेक व्यक्ति को एक खास पहचान नंबर देना हमारी एक महत्वाकांक्षी योजना है। यह योजना समाज के कमजोर तबकों, हमारे अनुसूचित जाति और जनजाति के भाई-बहनों और हमारे देश की महिलाओं को उनका हक देने और उनको विकास में भागीदार बनाने के हमारे इरादे को दर्शाती है। एक ऐसी योजना, जो आप सबको हमारी अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद करेगी। एक ऐसी योजना, जो आपको पहचान देगी। एक ऐसी योजना, जिसके जरिए आपकी आवाज सुनी जा सकेगी। आधार योजना के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं गांव के स्तर पर मुहैया हो सकेंगी। वज़ीफे, पेंशन और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना के तहत मज़दूरी का वितरण आसानी से हो सकेगा। इस तरह यह योजना आप तक तमाम फायदे पहुंचाने के लिए एक नींव का काम करेगी और यही वजह है कि इसका नाम आधार रखा गया है।

मुझे आज विशिष्ट पहचान-पत्र परियोजना को देश को समर्पित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि पहचान नंबरों का पहला सेट अगस्त 2010 और फरवरी 2011 के बीच जारी करने के अपने वायदे को आज हम पूरा कर रहे हैं। मैं श्री नंदन नीलेकणि और उनकी टीम को इस सफलता के लिए बधाई देता हूं। श्री नीलेकणि ने जुलाई 2009 में Unique Identification Authority का कार्यभार संभाला था। एक साल की छोटी अवधि में उनके नेतृत्व में Authority ने अपने काम में जो प्रगति की है, वह सराहना के योग्य है। मुझे पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में भी Unique Identification Authority बेहतरीन काम करती रहेगी।

आधार नंबरों का पहला सेट महाराष्ट्र में जारी हो रहा है। यह महाराष्ट्र के लिए भी गौरव की बात है। महाराष्ट्र देश के प्रगतिशील राज्यों में से एक है। बहुत से क्षेत्रों में, महाराष्ट्र दूसरे राज्यों के लिए आदर्श रहा है। मुझे विश्वास है कि हरेक व्यक्ति को आधार नंबर जारी करने में भी यह राज्य देश के दूसरे राज्यों के लिए एक उदाहरण पेश करेगा। मैं महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री और उनकी सरकार को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि उन्होंने अपने राज्य में आधार नंबरों का पहला सेट जारी करवाने के लिए पहल की।

नंबरों के पहले सेट के लिए नंदुरवार जिले का चुना जाना इस बात का प्रतीक है कि हम इन नंबरों के ज़रिए अपने आदिवासी भाई-बहनों तथा समाज के दूसरे कमज़ोर वर्गों को फायदा पहुंचाना चाहते हैं।

हमारी सरकार भारत के हरेक निवासी को एक विशिष्ट पहचान नंबर देने के लिए पिछले कई सालों से काम कर रही है। हमने इस परियोजना को बहुत ज्यादा अहमियत दी है, क्योंकि हमारा मानना है कि इन आधार नंबरों का सबसे ज्यादा फायदा हमारे समाज के आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े तबकों को मिलेगा। हम जानते हैं कि आज हमारे देश के गरीब लोगों की भलाई के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का पूरा लाभ उनको इसलिए नहीं मिल पाता कि उनके पास अपनी पहचान साबित करने का कोई साधन नहीं रहता। चाहे बैंक में खाता खोलना हो या राशन कार्ड बनवाना हो, इस कमी की वजह से आपको परेशानी होती है। सरकारी कल्याण कार्यक्रमों का जो फायदा आप तक पहुंचना चाहिए वह नहीं पहुंच पाता। कई बार जो लाभ हमारे किसी गरीब भाई या बहन को मिलना चाहिए वह कोई और ले लेता है। सबसे बड़ी बात यह है कि अपनी पहचान न होने की वजह से आपके सम्मान को ठेस पहुंचती है। यह हमारा संकल्प रहा है कि हम इन कमियों को दूर करेंगे। हमारा यह निश्चय रहा है कि हम अपने गरीब, अनुसूचित जाति और जनजाति के भाई-बहनों को सम्मान के साथ एक खुशहाल ज़िंदगी जीने का पूरा मौका देंगे। आज की यह शुरुआत हमारे इसी निश्चय का नतीजा है।

आपको जो आधार नंबर प्राप्त होगा वह जिन्दगी भर आपके साथ रहेगा। यही नहीं, यह देश के हर स्थान पर आपको पहचान देगा। मेरा मानना है कि आधार के जरिए हमें national integration में भी सहायता मिलेगी।

आज मैं आप सबका ध्यान एक विशेष बात की ओर भी दिलाना चाहूंगा। आम आदमी के लिए बनाई गई यह योजना एक नए और आधुनिक भारत का भी प्रतीक है। हम Technology के क्षेत्र में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। आधार योजना में आज की सबसे नई और आधुनिक Technology का प्रयोग होगा। यही नहीं, इससे पहले, इतने बड़े पैमाने पर ऐसी Technology का इस्तेमाल दुनिया भर में कहीं भी नहीं हुआ है।

मैं एक बार फिर Unique Identification Authority और महाराष्ट्र सरकार को बधाई देता हूं। मेरी हार्दिक शुभकामनाएं आपके साथ हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि जल्दी ही भारत के हरेक निवासी के पास अपना आधार नंबर होगा। मैं नंदुरबार और महाराष्ट्र की जनता की खुशहाली और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

जय हिंद!